



## **IIM Raipur Hosts 19th Edition of Gyanvarsha**

**Date: 2nd November 2024**

**Place: Raipur**

### **Article**

The Indian Institute of Management Raipur hosted the 19th edition of Gyan Varsha, featuring Dr. Pushp Kumar Joshi, former Chairman and Managing Director of Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL). With over 38 years of rich experience in the energy sector, Dr Joshi's presence added immense value to the event, focusing on the theme of "Lifelong Learning and Adaptability: Learnings from Personal and Professional Journey"

The event commenced with Prof. Satyasiba Das, Dean of External Relations, welcoming Dr. Joshi with a bouquet, a gesture of IIM Raipur's warm hospitality. Professor Ram Kumar Kakani, Director of IIM Raipur, then introduced Dr. Joshi, recounting his distinguished career and achievements, including the prestigious Father E. Abraham medal from XLRI.

Dr. Joshi began his keynote by captivating the audience with an ancient Greek story, illustrating the profound question: *What is our purpose in life?* He shared insights on distinguishing one's work from one's identity, emphasizing the importance of keeping professional roles separate from personal identity. He shared his philosophy of achieving a balanced life through the development of three critical competencies: Intellectual Quotient (IQ) where he underscored cognitive abilities, technical knowledge, and hard work are irreplaceable in achieving professional success, Emotional Quotient (EQ) where he spoke about awareness of biases, sensitivity to colleagues' emotions, and understanding one's environment contributes to successful teamwork and Spiritual Quotient (SQ), he mentioned it as an introspective journey to find lasting happiness beyond material gains that aligns with one's inner self helping one to navigate through life's challenges with resilience.

In his concluding words, Dr. Joshi shared that the lessons from his extensive career journey at HPCL and life are rooted in continuous learning and self-reflection. He urged students to embark on a journey of self-discovery, bridging personal aspirations with professional ambitions.

### **About IIM Raipur:**

Established in 2010, IIM Raipur is a hub for nurturing dynamic leaders, equipping them with the knowledge, experience, and invaluable contacts needed to excel in their respective fields



of business. Our institution draws strength from over 50 accomplished academicians across various business domains and over 700 of the brightest minds in the country. In 2024, IIM Raipur proudly achieved significant rankings, including 14th in the MHRD-NIRF Business Ranking, securing the top spot in the CSR-GHRDC B-school Ranking, and ranking 8th in the Outlook-ICARE list. We are one of the fastest-growing IIMs in the nation. Nestled in the vibrant heart of Chhattisgarh, Naya Raipur, our new, state-of-the-art campus seamlessly blends modern architecture with Chhattisgarh's rich culture and heritage, creating a unique and inspiring learning environment.







## भा.प्र.सं. रायपुर ने आयोजित किया 19वां संस्करण ज्ञानवर्षा

तिथि: 2 नवंबर 2024

स्थान: रायपुर

### लेख

भारतीय प्रबंध संस्थान (भा.प्र.सं.) रायपुर ने 19वें संस्करण के रूप में ज्ञानवर्षा का आयोजन किया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. पुष्प कुमार जोशी, पूर्व अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) रहे। ऊर्जा क्षेत्र में 38 वर्षों से अधिक का समृद्ध अनुभव रखने वाले डॉ. जोशी की उपस्थिति ने इस आयोजन में अनमोल मूल्य जोड़ा। इस कार्यक्रम का मुख्य विषय था "जीवनभर सीखना और अनुकूलन: व्यक्तिगत और व्यावसायिक यात्रा से सीखें।"

इस कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर सत्यशीबा दास, डीन ऑफ एक्सटर्नल रिलेशंस, ने डॉ. जोशी का स्वागत गुलदस्ते के साथ किया, जो भा.प्र.सं. रायपुर के आतिथ्य का प्रतीक है। इसके बाद भा.प्र.सं. रायपुर के निदेशक, प्रोफेसर राम कुमार ककानी ने डॉ. जोशी का परिचय दिया, जिसमें उनके उत्कृष्ट करियर और उपलब्धियों, जैसे कि एक्सएलआरआई द्वारा प्रदान किया गया प्रतिष्ठित फादर ई. अब्राहम पदक भी शामिल है।

डॉ. जोशी ने अपने मुख्य भाषण की शुरुआत एक प्राचीन ग्रीक कहानी से की, जिससे जीवन के उद्देश्य के गहरे प्रश्न को सामने रखा। उन्होंने कार्य और पहचान के बीच अंतर करने की महत्वता पर बल दिया और इस बात पर जोर दिया कि व्यावसायिक भूमिकाओं को व्यक्तिगत पहचान से अलग रखना चाहिए। उन्होंने संतुलित जीवन प्राप्त करने के लिए तीन महत्वपूर्ण दक्षताओं - बौद्धिक भावांक (IQ), भावनात्मक भावांक (EQ), और आध्यात्मिक भावांक (SQ) के विकास की अपनी विचारधारा साझा की।

बौद्धिक भावांक (IQ) पर उन्होंने कहा कि संज्ञानात्मक क्षमताएं, तकनीकी ज्ञान और कड़ी मेहनत व्यावसायिक सफलता के लिए अपरिहार्य हैं। भावनात्मक भावांक (EQ) पर उन्होंने बात की कि अपने पूर्वाग्रहों के प्रति जागरूकता, सहकर्मियों की भावनाओं के प्रति संवेदनशीलता, और वातावरण की समझ सफल टीमवर्क में योगदान देती है। आध्यात्मिक भावांक (SQ) के बारे में उन्होंने इसे आत्मन्वेषण की यात्रा के रूप में वर्णित किया, जो किसी के भीतर की खुशी को खोजने में मदद करता है और भौतिक लाभों से परे जीवन की चुनौतियों का सामना करने में सहायक होता है।



अपने समापन में, डॉ. जोशी ने एचपीसीएल में अपने विस्तृत करियर यात्रा और जीवन से मिले सबक साझा किए, जो सतत सीखने और आत्म-चिंतन पर आधारित हैं। उन्होंने छात्रों से आत्म-खोज की यात्रा पर निकलने का आग्रह किया, जिसमें व्यक्तिगत आकांक्षाओं और व्यावसायिक महत्वाकांक्षाओं के बीच पुल बनाने पर बल दिया।

### **भा.प्र.सं. रायपुर के बारे में:**

2010 में स्थापित, भा.प्र.सं. रायपुर का उद्देश्य युवा नेताओं को सक्षम बनाना है, उन्हें आवश्यक ज्ञान, अनुभव और संपर्क प्रदान करना है ताकि वे व्यवसाय के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकें। हमारे संस्थान में विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में 50 से अधिक योग्य शिक्षाविद हैं और देश के 700 से अधिक होनहार छात्र हैं। 2024 में भा.प्र.सं. रायपुर ने कई महत्वपूर्ण रैंकिंग प्राप्त की, जिनमें एमएचआरडी-एनआईआरएफ बिजनेस रैंकिंग में 14वां स्थान, सीएसआर-जीएचआरडीसी बी-स्कूल रैंकिंग में शीर्ष स्थान, और आउटलुक-आईकेयर सूची में 8वां स्थान शामिल है। हम देश में सबसे तेजी से बढ़ते भा.प्र.सं. में से एक हैं। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर के समृद्ध सांस्कृतिक हृदय में स्थित हमारा नया, अत्याधुनिक परिसर आधुनिक वास्तुकला को छत्तीसगढ़ की संस्कृति और धरोहर के साथ खूबसूरती से जोड़ता है, जो एक अद्वितीय और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण प्रदान करता है।